शादी की धुन या खतरे की गूंज? मॉडिफाइड डीजे गाड़ियां बनीं मुसीबत

- डीजे की धुन पर दौड़ता खतरा, अवैध मॉडिफाइड गाड़ियों पर कार्रवाई कब?
- ट्रैफिक और स्वास्थ्य पर बढ़ता खतरा

शैलेन्द्र कश्यप

इंदौर. शादी समारोहों का दौर अपने चरम पर है. शहर में लगातार शादियों की धूम रहेगी. भारतीय परंपरा के अनुसार बारातों में बैंड-बाजा, डीजे और नाच-गाना उत्सव का हिस्सा माने जाते हैं, लेकिन अब यही उत्सव आम नागरिकों के लिए परेशानी और खतरे का कारण बनता जा रहा है. खासकर सड़कों पर दौड़ रही अवैध रूप से मॉडिफाइड डीजे और बैंड गाड़ियां शहर की यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं.

शहर की सड़कों पर इन दिनों बड़ी संख्या में ऐसे डीजे वाहन दिखाई दे रहे हैं जिनमें नियमों के विपरीत भारी लोहे के ढांचे, विशाल स्पीकर, जनरेटर, ऊंचे प्लेटफॉर्म और चमकदार लाइटें लगाई गई हैं. कई वाहन मालिक गाड़ियों की लंबाई, चौड़ाई और ऊंचाई तक बढ़ा देते हैं, जबकि मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार वाहन की मूल संरचना में बिना अनुमति बदलाव करना पूरी तरह अवैध है. इसके बावजूद ये मॉडिफाइड वाहन खुलेआम शहर की सड़कों पर दौड़ रहे हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मॉडिफिकेशन सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन चुके हैं. भारी स्ट्रक्चर और असंतुलित डिजाइन के कारण ऐसे वाहनों के पलटने, बिजली के तारों से टकराने और संकरी सड़कों पर दुर्घटना होने की आशंका लगातार बनी रहती है. कई बार बारातों के दौरान ये वाहन पूरे रास्ते को घेर लेते हैं, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग जाता है और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है. तेज आवाज में बजने वाले डीजे से ध्वनि प्रदूषण भी तेजी से बढ़ रहा है. देर रात तक गूंजने वाले हाई बेस साउंड से बुजुर्ग, बच्चे, मरीज और आम नागरिक परेशान हैं.

अधिक आवाज में डीजे बजाना नियमों का उल्लंघन-डॉ. सुमित शुक्ला ने कहा कि पहले अस्पतालों और स्कूलों के बाहर साइलेंस ज़ोन के बोर्ड स्पष्ट रूप से लगे रहते थे, लेकिन अब अधिकांश जगहों से ऐसे बोर्ड गायब हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि तय डेसीबल सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाना नियमों का उल्लंघन है और इस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि इससे मरीजों, बच्चों और बुजुर्गों को गंभीर परेशानी होती है.

सहयोग करेगी यातायात पुलिस-इंदौर डीसीपी राजेश त्रिपाठी (क्राइम एवं प्रभारी यातायात) ने कहा कि मॉडिफाइड वाहनों के खिलाफ यदि आरटीओ द्वारा कार्रवाई की जाती है तो यातायात पुलिस पूरा सहयोग करेगी।

सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए-शहरवासियों का कहना है कि शादी समारोहों की खुशियां बनी रहनी चाहिए, लेकिन उत्सव के नाम पर नियमों की अनदेखी और लोगों की सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए. लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध मॉडिफाइड डीजे और बैंड वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए, तय ध्वनि सीमा का सख्ती से पालन कराया जाए और देर रात तक तेज आवाज में डीजे बजाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि किसी की खुशी दूसरे के लिए परेशानी और खतरे का कारण न बने.

जुगाड़ की गाड़ियां...

सिर्फ डीजे वाहन ही नहीं इंदौर में जुगाड़ की भी कई गाड़ियां सड़कों पर बेलगाम चल रही है यह अधिकतर गाड़ियां गन्ने का जूस बेचने निकलती है. इन गाड़ियों को जुगाड़ के नाम से जाना जाता है और यह एक इंजन के जरिए चलती है जिसका ना तो रजिस्ट्रेशन होता है, ना ही नंबर प्लेट होती है और ना ही इसका किसी भी प्रकार का वैध कागजात होते हैं सिर्फ जुगाड़ से बनाई हुई गाड़ियां है.

सुनने की क्षमता होती है प्रभावित

डॉक्टर सौरभ गुप्ता के अनुसार अत्यधिक तेज ध्वनि कानों के पर्दों को नुकसान पहुंचा सकती है, लगातार सीं-सीं की आवाज यानी टिनिटस की समस्या पैदा कर सकती है और सुनने की क्षमता तक प्रभावित हो सकती है. उन्होंने बताया कि तेज बेस साउंड से उच्च रक्तचाप, दिल की धड़कन तेज होना, मानसिक तनाव, सिरदर्द और अनिद्रा जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं. गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर अधिक गंभीर होता है. यहां तक कि कई क्षेत्रों में लोगों ने घरों की दीवारों में कंपन जैसी शिकायतें भी की हैं.

कार्रवाई कर जब्त कर सकते हैं

अधिवक्ता कृष्ण कुमार कुन्हारे का कहना है कि डीजे की अधिकांश गाड़ियां पूरी तरह अवैध मॉडिफिकेशन करके तैयार की जाती हैं. जब टू-व्हीलर के मॉडिफाइड साइलेंसर पर कार्रवाई हो सकती है तो खुलेआम नियम तोड़कर चल रहे इन भारी डीजे वाहनों पर सख्ती क्यों नहीं होती. उन्होंने कहा कि ऐसे वाहन न केवल ट्रैफिक व्यवस्था बिगाड़ते हैं बल्कि जनस्वास्थ्य और जनसुरक्षा के लिए भी खतरा हैं. भारतीय न्याय संहिता, कमिश्नर आदेश उल्लंघन की धारा 223-ए और मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत इन वाहनों पर कार्रवाई कर उन्हें जब्त किया जा सकता है.

बिना अनुमति बदलाव अवैध

आरटीओ राजेश गुप्ता ने बताया कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 52 के अनुसार किसी भी वाहन की मूल संरचना में बिना अनुमति बदलाव करना अवैध है. निर्धारित आकार से बड़े डीजे स्ट्रक्चर, अत्यधिक शक्तिशाली ऑडियो सिस्टम, बड़े स्पीकर, मल्टीकलर एलईडी और भारी लोहे के ढांचे नियमों के विरुद्ध हैं. ऐसे मामलों में 5 से 10 हजार रुपए तक जुर्माना, वाहन जब्ती और गंभीर स्थिति में गिरफ्तारी तक की कार्रवाई की जा सकती है.

एक नजर में

परिवार की मूल शक्ति होती है माँ

इंदौर. ओम शांति भवन में मातृत्व दिवस के उपलक्ष्य में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पदम प्रिया, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं रूपाली जैन, संस्थापक परम पूज्य रक्षक आदिनाथ वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसाइटी उपस्थित रहीं. इस अवसर पर रूपाली जैन ने कहा कि जिस प्रकार एक वृक्ष की जड़ें धरती से जल ग्रहण कर पूरे वृक्ष को फलने-फूलने योग्य बनाती हैं, उसी प्रकार माँ परिवार की मूल शक्ति होती है, जिसके कारण परिवार समृद्ध और संस्कारित बनता है. पदम प्रिया ने कहा कि माँ स्वयं प्रकृति और सृजन की प्रतीक है. वह केवल रचना ही नहीं करती, बल्कि परिवार पर कोई संकट आने पर शक्ति का स्वरूप बनकर उसकी रक्षा भी करती है. माँ अपने परिवार की खुशियों के लिए स्वयं की इच्छाओं और सुखों का त्याग कर देती है. जोनल इंचार्ज राजयोगिनी आरती दीदी ने कहा कि माँ केवल जन्म देने वाली नहीं, बल्कि परिवार को प्रेम, संस्कार, धैर्य और एकता के सूत्र में बाँधने वाली दिव्य शक्ति है. उसके स्नेह, प्यार और ममता से घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहता है. मुख्य वक्ता बीके प्रीति दीदी ने कहा कि माँ शब्द में ही इतना प्रेम और आकर्षण है कि उसे सुनते ही मन आनंदित हो जाता है. माँ परमात्मा के समान है, क्योंकि परमात्मा शब्द में भी माँ समाई हुई है। परमात्मा के जो गुण और शक्तियाँ हैं, वही माँ में भी विद्यमान हैं. राजयोगी बीके नारायण भाई ने कहा कि माँ द्वारा दिए गए संस्कार ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं. वहीं बीके रेवती दीदी ने माँ के सम्मान और संस्कारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया.

मदर्स डे की पूर्व संध्या पर रचना गोष्ठी

इंदौर. मदर्स डे की पूर्व संध्या पर विचार प्रवाह साहित्य मंच ने रचना गोष्ठी आयोजित की. मां पर आधारित कविता, गीत, संस्मरण, लघुकथा का वाचन करते हुए रचनाकार भाव विभोर हो गये. गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ लेखिका श्रीमती कुमुद दुबे (भोपाल) ने की. स्वागत उद्बोधन मंच के अध्यक्ष मुकेश तिवारी ने दिया. सरस्वती वंदना निशा बुधे झा जयपुर ने प्रस्तुत की. संचालन डॉ. पूनम ज्वेल ने किया. आभार शीला चंदन ने माना. इन रचनाकारों ने किया रचना पाठ आभासी माध्यम से (ऑनलाइन) हुई. इस गोष्ठी में विभिन्न शहरों से रचनाकार शामिल हुए. वरिष्ठ लेखिका, अमिता मराठे, अर्चना पंडित, सुषमा व्यास पारिजात, सुषमा सिन्हा, शोभारानी तिवारी, इंदु पाराशर, भुवनेश दशोत्तर, डॉक्टर अंजुल कंसल, डॉ सुनीता फड़नीस, धीरेन्द्र कुमार जोशी (महू), मित्रा शर्मा (महू), सुषमा दुबे, अर्चना मंडलोई, निरुपमा त्रिवेदी, सीमा पंड्या (उज्जैन), उपासना गुप्ता और अमोघ अग्रवाल (सागर) आदि ने रचना पाठ किया.

हनुमान चालीसा का संगीतमय सामूहिक पाठ

इंदौर. नवरत्न बाग स्थित विजय मारुति हनुमान मन्दिर में महंत मंगलदास महाराज खाकी के सानिध्य में प्रति शनिवार और मंगलवार को श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ होता है जिसमें युवाओं की अधिक संख्या रहती है. प्रवीण जोशी ने बताया कि सामूहिक पाठ के पूर्व महाआरती होती है और समापन प्रसादी वितरण से किया जाता है.

हिमालया बेबीकेयर ने लान्च की भावपूर्ण मदर्स डे डीवीसी

इंदौर. हिमालया बेबीकेयर ने इस मदर्स डे पर मातृत्व की निरंतर विकसित होती यात्रा का जश्न मनाते हुए एक भावपूर्ण डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) लान्च किया है. यह कैंपेन एक शिशु के पहले अनुभवों की एक श्रृंखला और उनसे उत्पन्न होने वाली सुखद भावनाओं के माध्यम से मातृत्व की इस खूबसूरत यात्रा को उजागर करता है. सदाबहार लोरी चंदा है तू से प्रेरित यह फिल्म एक भावनात्मक कहानी के के रूप में सामने आती है जो शिशु के पहले पड़ावों के माध्यम से मातृत्व की भावनात्मक यात्रा को दर्शाती है, जो अपनापन, पुरानी यादों की मिठास और सांस्कृतिक जुड़ाव का एहसास कराती है. कैंपेन पर चक्रवर्ती एनवी, निदेशक- बेबीकेयर, हिमालय वेलनेस कंपनी, ने कहा हिमालया बेबीकेयर में, हम मानते हैं कि मातृत्व कई कई छोटे-छोटे 'पहले अनुभवों' से मिलकर बनता है- ऐसे पल जो भले ही क्षणिक हों, लेकिन भावनात्मक रूप से बेहद गहरे और यादगार होते हैं. इस कैंपेन के माध्यम से हम उन रोजमर्रा के अनुभवों का जश्न मना रहे हैं, जो एक मां की यात्रा को दर्शाते हैं. 'मम्मा वाली फीलिंग' हर स्पर्श, हर उपलब्धि और हर याद के साथ और गहरी होती जाती है.

मातृ दिवस पर स्वच्छता दीदियों का सम्मान

नव भारत न्यूज

इंदौर. रविवार सुबह मातृ दिवस के अवसर पर शहर की 56 दुकान पर स्वच्छता दीदियों का सम्मान किया गया. इस दौरान बच्चों ने मां के गीत और नृत्य प्रस्तुति भी दी.

आज सुबह शहर डॉ. संदीप जुल्का की संस्था हेल्थ केयर सोल्जर एवं 56 दुकान व्यापारी संघ ने संयुक्त रूप से मातृ दिवस पर नगर निगम की स्वच्छता दीदियों सम्मान किया. स्वच्छता दीदियों को कर्नल यादवेंद्र और डॉ. रविन्द्र काले ने उपहार भेंट कर सम्मानित किया. इस मौके पर बच्चों ने मां से संबंधित गीतों के प्रस्तुति दी. वहीं लड़कियों ने मां के सम्मान में नृत्य भी किया. इस दौरान सुबह बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष उपस्थित थे.

बाबा लोकनाथ कला सम्मान मुकुल नाग व सुरेश वर्मा को

इंदौर. शहर का प्रतिष्ठित बाबा लोकनाथ कला सम्मान इस वर्ष अभिनेता एवं साईं बाबा सीरियल से लोकप्रिय मुकुल नाग मुंबई को वर्ष 2024 हेतु 16 मई को शनि जयंती के अवसर पर एक समारोह में प्रदान किया जाएगा, साथ ही वर्ष 2025 का बाबा लोकनाथ कला सम्मान इंदौर के ही फिल्म निर्देशक और लेखक सुरेश वर्मा बंजरिया को दिया जाएगा.

दादू महाराज संस्थान द्वारा वर्ष 2008 से आसाम के प्रसिद्ध संत बाबा लोकनाथ के नाम से संगीत, कला ,अभिनय, नृत्य, लेखन आदि के क्षेत्र में यह पुरस्कार दिया जाता है. 16 मई को एक समारोह में मुंबई से अभिनेता मुकुल नाग और इंदौर से सुरेश वर्मा बंजारिया को यह पुरस्कार दादू महाराज संस्थान द्वारा आमंत्रित अतिथियों के हस्ते प्रदान किया जाएगा. अभिनेता मुकुल नाग साईं बाबा और सुदामा के अपने निभाए चरित्र से घर घर मे लोकप्रिय है. वही सुरेश वर्मा बंजारिया ने कई फिल्म, सीरियल में टेक्नीशियन, सेट डिजाइनर, राइटर, एक्टर के रूप में कार्य कर डायरेक्शन का अनुभव हासिल किया और बंजारिया फिल्म प्रोडक्शन की नींव रखी. कई शॉर्ट फिल्म व फीचर फिल्म सपना बना हकीकत बनाई. उक्त जानकारी संस्थान की अलका सैनी ने दी.

टिकट चेकिंग अभियान बना कमाई एक्सप्रेस रतलाम मंडल ने बनाया नया रिकॉर्ड

नवभारत न्यूज

इंदौर. पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने टिकट चेकिंग अभियान में शानदार प्रदर्शन करते हुए अप्रैल 2026 में 3.41 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है. यह उपलब्धि मंडल के इतिहास की सर्वश्रेष्ठ उपलब्धियों में शामिल मानी जा रही है.

जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली से मिली सफलता

मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्रीमती हिना वी. केवलरामानी सहित पूरी टिकट चेकिंग टीम के नेतृत्व, समर्पण, अनुशासन और टीमवर्क को दिया. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की निरंतर मेहनत और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली के कारण यह ऐतिहासिक सफलता हासिल हो सकी है. रेलवे अधिकारियों का मानना है कि यह उपलब्धि न केवल रतलाम मंडल की कार्यकुशलता को दर्शाती है, बल्कि पूरे पश्चिम रेलवे के लिए प्रेरणास्रोत भी बनेगी. मंडल रेल प्रबंधक ने विश्वास जताया कि टीम भविष्य में भी इसी उत्साह, निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखेगी.

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के अधिकारी मुकेश कुमार के अनुसार, टिकट चेकिंग स्टाफ ने पूरे महीने औसतन 11.37 लाख रुपए प्रतिदिन का राजस्व प्राप्त किया. यह मार्च 2022 में बने 3.31 करोड़ रुपए के पिछले रिकॉर्ड से लगभग 3 प्रतिशत अधिक है. विशेष रूप से 29 अप्रैल 2026 को मंडल ने एक दिन में 16.56 लाख रुपए की सर्वाधिक आय दर्ज कर नया रिकॉर्ड बनाया. यह अब तक की सबसे अधिक एकल-दिवसीय टिकट चेकिंग आय बताई जा रही है. इस उल्लेखनीय सफलता पर पश्चिम रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक तरुण जैन ने रतलाम मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं टिकट चेकिंग स्टाफ की सराहना करते हुए पूरी टीम को बधाई दी.

प्रधानमंत्री आवास निर्माण में गड़बड़ी को लेकर हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

- आयुक्त और निर्माण एजेंसी तलब

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट में विभिन्न समस्याओं को लेकर हाईकोर्ट ने निर्माण कंपनी और आयुक्त को नोटिस जारी किया है. उक्त मामले में पीड़ित ने जनहित याचिका दायर की है.

मामला नगर निगम द्वारा निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना गुलमर्ग परिसर में आरटीआई कार्यकर्ता नरेंद्र गोस्वानी ने फ्लैट खरीदा था. आवंटन के बाद फ्लैट में लगातार बाथरूम और दीवारों से पीनी लीकेज की समस्या भी हुई है. बारिश में दीवारों की सीलन से बिजली स्विच बोर्ड से करंट फैलने की भी परेशानी बनी हुई है. इसकी कई बार शिकयत करने के बाद भी नगर निगम समस्या का निदान नहीं किया गया. याचिकाकर्ता नर्फन्द्र गोस्वामी ने बताया कि समस्याओं के निराकरण के लिए कई बार पत्र लिखे. प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर आरटीआई में जानकारी मांगी. अभी द्वितीय अपील राज्य सूचना आयोग में विचाराधीन है, जिसका जवाब आना बाकी है.

जनहित याचिका लगाई थी

संबंधित विभागों से निराकरण न होने के उपरांत लाइटहाउस गुलमर्ग परिसर के सभी 1024 हितग्राही तथा उपभोक्ता किसी हृदय विदारक हादसे के शिकार हो सकते है. लाइटहाउस प्रोजेक्ट के स्थान पर पुनः स्थापित अथवा दूसरा आवास आवंटन करने की मांग को लेकर मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई. याचिका वरिष्ठ अधिवक्ता अनुराग जैन द्वारा दायर की गई. हाईकोर्ट द्वारा लाइटहाउस प्रोजेक्ट निर्माण करने वाली केपीआर कंपनी नासिक महाराष्ट्र एवं आयुक्त नगर निगम इंदौर को नोटिस जारी किया है.

कहानी संग्रह गुनगुनी धूप का लोकार्पण

इन्दौर. वामा साहित्य मंच के सानिध्य में आयोजित एक गरिमामयी समारोह में लेखिका तनुजा चौबे के प्रथम कहानी संग्रह 'गुनगुनी धूप' का लोकार्पण संपन्न हुआ. मंच की अध्यक्ष ज्योति जैन ने स्वागत भाषण में लेखिका की अनवरत लेखन ऊर्जा और साहित्यिक संवेदनशीलता की सराहना की.

उन्होंने कहा, लिखते हैं तो छपना भी चाहिए. तनुजा जी का लेखन एक शांत सरोवर जैसा है; जैसे गुनगुना पानी स्नान में सुकून देता है, वैसे ही उनकी कहानियां 'गुनगुनी धूप' की तरह मन को तृप्ति देती हैं. इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों एवं परिवारजनों ने कृति का विधिवत लोकार्पण किया. समारोह का विशेष आकर्षण वरिष्ठ साहित्यकार सूर्यकांत नागर का सम्मान रहा, जिनके लिए रश्मि चौधरी ने स्नेहपूर्ण सम्मान-पत्र का वाचन किया. विशिष्ट वक्ता डॉ. गरिमा संजय दुबे ने संग्रह की कहानियों पर चर्चा करते हुए उनके शिल्प और भावनात्मक गहराई को रेखांकित किया. मुख्य अतिथि डॉ. सच्चिदानंद जोशी (सदस्य सचिव, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, दिल्ली) ने अपने संबोधन में इसे मानवीय संवेदनाओं की एक ईमानदार अभिव्यक्ति बताया. तत्पश्चात लेखिका तनुजा चौबे ने अपनी सृजन प्रक्रिया साझा की. संचालन संजय पटेल ने किया. समारोह में किसलय पंचोली, राजेश चौबे, शुभांगी व्यास, पद्मा राजेन्द्र, अद्विता चौबे, सपना सी.पी. साहू, अवंती श्रीवास्तव, देवम चौबे, प्रीति मकवाना, दामिनी ठाकुर और कनुप्रिया चौबे सहित कई प्रबुद्धजनों ने अतिथियों का स्वागत किया. वामा साहित्य मंच की सहसचिव अंजना चक्रपाणि मिश्र ने आभार माना.

एक नजर में | विदेश की धरती पर सम्मानित डॉ. विकास दवे का इंदौर लेखिका संघ ने किया अभिनंदन

मातृभाषा के प्रति आत्मसम्मान बनाए रखना अत्यंत आवश्यक

इंदौर. विदेश की धरती पर भारतीय साहित्य का परचम फहराने वाले मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ विकास दवे का इंदौर में आयोजित एक गरिमामय समारोह में इंदौर लेखिका संघ द्वारा अभिनंदन किया गया. समारोह के मुख्य अतिथि जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने डॉ दवे को सम्मान स्वरूप शाल, श्रीफल और अभिनंदन पत्र भेंट किए।

समारोह की अध्यक्षता मध्य भारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर के प्रधानमंत्री डॉ अरविंद जवलेकर ने की. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉ सोनाली सिंह नरगुंदे सारस्वत अतिथि और स्टेट प्रेस क्लब के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थे. इंदौर लेखिका संघ की संस्थापक डॉ स्वाति तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दवे ने विदेश में पुरस्कार प्राप्त कर इंदौर ही नहीं प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया है. ऐसे व्यक्तित्व से हमको प्रेरणा लेना चाहिए. आयोजन में सम्मानित साहित्यकार डॉ. विकास दवे ने कहा कि अपनी मातृभाषा के प्रति गौरव और आत्मसम्मान बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है.

जीवन की जटिलताओं के बीच हम सरल सहज लिखना छोड़ चुके हैं

बाल साहित्य पर संवाद करते हुए पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की अध्यक्ष डॉ. सोनाली सिंह नरगुंदे ने कहा कि आज हम पहले जैसा बाल साहित्य क्यों नहीं लिख पाते हैं. इसका कारण यह है कि पहले जीवन बहुत सरल था. अब जीवन की जटिलताओं ने बीच हम सरल सहज लिखना भी छोड़ चुके हैं. अध्यक्षता करते हुए डॉ. अरविन्द जवलेकर ने कहा कि डॉ. विकास दवे ने दुनिया में साहित्य और भारतीय संस्कृति की अस्मिता को एक नयी पहचान दी है. अभिनंदन पत्र का वाचन वरिष्ठ लेखिका सुषमा व्यास ने और अभिनन्दन गीत सुरेखा भारती ने प्रस्तुत किया. संचालन नवोदित लेखिका प्रो. रानू टूवानी ने किया. कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार हृदयेश दीक्षित, कीर्ति राणा, सतीश जोशी, अन्ना दुराई, जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अपर संचालक डॉ. भूपेन्द्र गौतम, महिला प्रेस क्लब की अध्यक्ष शीतल राय, सोनाली यादव, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. पद्मा सिंह, लेखिका सीमा व्यास, मुकेश इन्दोरी सहित कई साहित्यकार, पत्रकार और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.